काना मार गयी रे तेरी तिरछी नजर लिरिक्स



काना मार गयी रे,
तेरी तिरछी नजर।bd।

भर पिचकारी मारी मोरे तन पे,
प्रेम की जोत जगी मोरे मन में,
रंग डार गयी रे,
तेरी तिरछी नजर।bd।

हाथ पकड़ मोरी बहिया मरोड़ी,
मैं बोली तो मोरी मटकी फोड़ी,
जादू डार गयी रे,
तेरी तिरछी नजर।bd।

घूंघट उठाके जरा देख ले गौरी,
मैं मथुरा की नाजुक छोरी,
हिये डार गयी रे,
तेरी तिरछी नजर।bd।

रामनिवास की आ है अर्जी,
बात है सच ना है फर्जी,
भव सु पर गयी रे,
तेरी तिरछी नजर।bd।

काना मार गयी रे,
तेरी तिरछी नजर।bd।

गायक – श्यामनिवास पाली।
9983121148

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com